Using Google NotebookLM to get Audio Overview in any language. Thanks to Google team.

1. https://notebooklm.google.com/
2. Login to Gmail account.
3. At first time, it gives its intro and proposes to " Try it or Create new"
4. Click it. Set your output language first by clicking "Settings" at right top > Output Language > Hindi (preferred one)

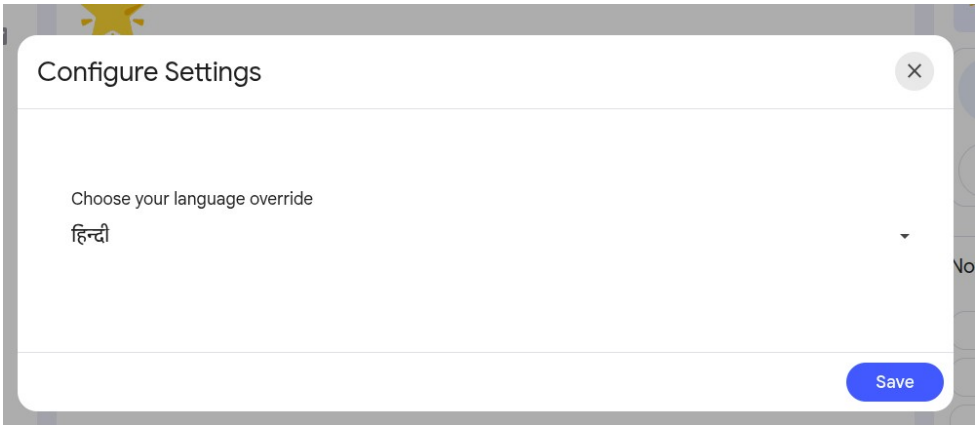

5. A pop up comes.

6. Paste the text matter into copied text button. OR insert a YouTube link into YouTube button. OR paste a webpage link into Website button to be discussed.

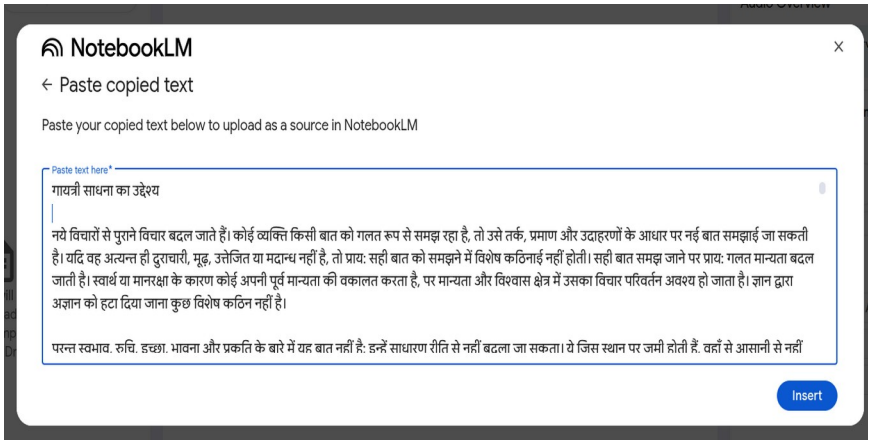

7. Correct your title if needed.

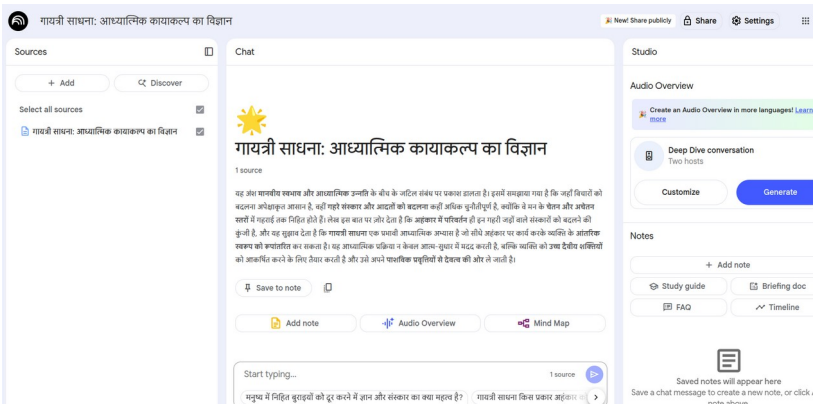

8. Click Audio Overview for instant audio or click on Customize and give instructions to AI about presentation. Click to Generate. Only 3 (three) audio per day could be generated for free Google account.

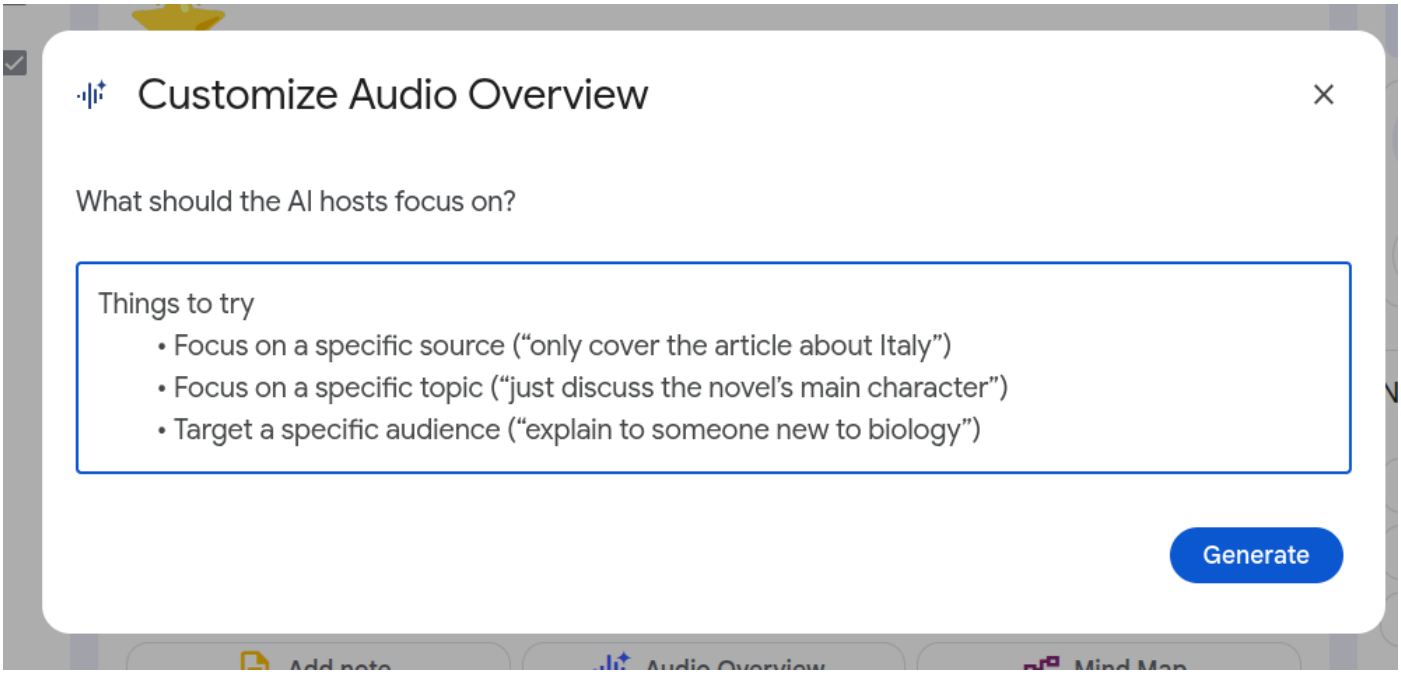

Example:

https://drive.google.com/drive/folders/1spClgg6gmmS0IG20yZCDkyJO6DCBf58J

पुस्तक का नाम — '' महिला जागृति अभियान '' , यह पुस्तक "क्रान्तिधर्मी साहित्य पुस्तकमाला" की एक पुस्तक है। अध्याय '' नई शताब्दी—नारी शताब्दी '' को थोड़ा ज्यादा महत्ता दें।
पुस्तक के लेखक — पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)
श्रोता वर्ग — औसत भारतीय नागरिक
विशेष — कृपया सम्बोधन करते समय "लेखक" शब्द की जगह "पूज्य गुरुदेव" कहें। ''औरत'' शब्द की जगह सदा ''नारी या स्त्री'' शब्द, मर्द शब्द की जगह सदा ''पुरुष'' शब्द एवं किताब शब्द की जगह सदा ''पुस्तक'' शब्द का ही प्रयोग करें। कृपया इसे अधिकाधिक समय विस्तार में प्रस्तुत करें।

पुस्तक का नाम — '' समयदान ही युग-धर्म '' , यह पुस्तक "क्रान्तिधर्मी साहित्य पुस्तकमाला" की एक पुस्तक है।
पुस्तक के लेखक — पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)
श्रोता वर्ग — औसत भारतीय नागरिक
विशेष — कृपया सम्बोधन करते समय "लेखक" शब्द की जगह "पूज्य गुरुदेव" कहें। ''औरत'' शब्द की जगह सदा ''नारी या स्त्री'' शब्द, मर्द शब्द की जगह सदा ''पुरुष'' शब्द एवं किताब शब्द की जगह सदा ''पुस्तक'' शब्द का ही प्रयोग करें। कृपया इसे अधिकाधिक समय विस्तार में प्रस्तुत करें।

पुस्तक का नाम — '' पवित्र जीवन ''
पुस्तक के लेखक — पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)
श्रोता वर्ग — औसत भारतीय नागरिक
विशेष — कृपया सम्बोधन करते समय "लेखक" शब्द की जगह "पूज्य गुरुदेव" कहें। ''औरत'' शब्द की जगह सदा ''नारी या स्त्री'' शब्द, मर्द शब्द की जगह सदा ''पुरुष'' शब्द एवं किताब शब्द की जगह सदा ''पुस्तक'' शब्द का ही प्रयोग करें। कृपया इसे अधिकाधिक समय विस्तार में प्रस्तुत करें।

पुस्तक का नाम — '' हमारी वसीयत और विरासत '' है, जिसका एक अध्याय '' ऋषि तन्त्र से दुर्गम हिमालय में साक्षात्कार '' यहाँ प्रस्तुत किया गया है।
पुस्तक के लेखक — पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक)
श्रोता वर्ग — औसत भारतीय नागरिक
विशेष — कृपया सम्बोधन करते समय "लेखक" शब्द की जगह "पूज्य गुरुदेव" कहें। ''औरत'' शब्द की जगह सदा ''नारी या स्त्री'' शब्द, मर्द शब्द की जगह सदा ''पुरुष'' शब्द एवं किताब शब्द की जगह सदा ''पुस्तक'' शब्द का ही प्रयोग करें। कृपया इसे अधिकाधिक समय विस्तार में प्रस्तुत करें।

उद्बोधन का नाम — '' सेवा-साधना ''
उद्बोधनकर्ता — पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य
श्रोता वर्ग — औसत भारतीय नागरिक
विशेष — कृपया सम्बोधन करते समय "उद्बोधनकर्ता" शब्द की जगह "पूज्य गुरुदेव" कहें। ''औरत'' शब्द की जगह सदा ''नारी या स्त्री'' शब्द, मर्द शब्द की जगह सदा ''पुरुष'' शब्द एवं किताब शब्द की जगह सदा ''पुस्तक'' शब्द का ही प्रयोग करें। कृपया इसे अधिकाधिक समय विस्तार में प्रस्तुत करें।

पूज्य गुरुदेव युगऋषि वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य (गायत्री परिवार के संस्थापक) जी द्वारा लिखित पुस्तकों में से "जीवन की सभी समस्याओं का अचूक समाधान" के रूप में जनसामान्य की सहायता और मार्गदर्शन के लिए प्रस्तुत संकलन किया गया है। कृपया इसे अधिकाधिक समय विस्तार में औसत भारतीय नागरिकों के लिए प्रस्तुत करें।

पुस्तक का नाम — '' भारतीय संस्कृति में नारी का उच्चस्थान ''
पुस्तक की लेखिका — वन्दनीया माता भगवती देवी शर्मा (गायत्री परिवार की संस्थापिका)
श्रोता वर्ग — औसत भारतीय नागरिक
विशेष — कृपया सम्बोधन करते समय "लेखिका" शब्द की जगह "वन्दनीया माताजी" कहें। ''औरत'' शब्द की जगह सदा ''नारी या स्त्री'' शब्द, मर्द शब्द की जगह सदा ''पुरुष'' शब्द एवं किताब शब्द की जगह सदा ''पुस्तक'' शब्द का ही प्रयोग करें। कृपया इसे अधिकाधिक समय विस्तार में प्रस्तुत करें।

उद्बोधन का नाम — '' आत्मसमीक्षा का पर्व ''
उद्बोधनकर्त्री — वन्दनीया माता भगवती देवी शर्मा
श्रोता वर्ग — औसत भारतीय नागरिक
विशेष — कृपया सम्बोधन करते समय "उद्बोधनकर्त्री" शब्द की जगह "वन्दनीया माताजी" कहें। ''औरत'' शब्द की जगह सदा ''नारी या स्त्री'' शब्द, मर्द शब्द की जगह सदा ''पुरुष'' शब्द एवं किताब शब्द की जगह सदा ''पुस्तक'' शब्द का ही प्रयोग करें। कृपया इसे अधिकाधिक समय विस्तार में प्रस्तुत करें।